दिनांक 10.05.2013 को उप विकास आयुक्त चतरा की अध्यक्षता में बाएफ जिला स्तरीय कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति बैठक की कार्यवाही :–

---

1. उप विकास आयुक्त, चतरा।
2. अपर समाहर्त्ता, चतरा।
3. जिला पशुपालन पदाधिकारी, चतरा।
4. जिला गव्य विकास पदाधिकारी, चतरा।
5. जोनल पदाधिकारी, बाएफ, हजारीबाग।
6. जिला प्रभारी बाएफ, चतरा।
7. श्री सीताराम दाँगी, प्रगतिशील दुग्ध उत्पादक, जाँगी, चतरा।
8. श्री देव नारायण सिंह प्रगतिशील दुग्ध उत्पादक सीमा चतरा।

सर्वप्रथम श्री अलख देव प्रसाद, जिला गव्य विाकस पदाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया गया। तत्पश्चात् माननीय अध्यक्ष के अनुमति से बैठक की कार्यवाही प्रारंभ किया गया।

एजेन्डा संख्या–01

विगत बैठक दिनांक–14.09.2012 की कार्यवाही को जिला गव्य विकास पदाधिकारी द्वारा अनुपालन के सम्बन्ध में एजेन्डावार वस्तु स्थिति से अवगत कराया गया। अध्यक्ष महोदय द्वारा गाँव स्तर पर दुग्ध उत्पादन सहयोग समिति का गठन तथा जिला स्तर पर वल्क कुलर संचालन समिति तथा वल्क कुलर स्थापना के संबंध में उपस्थित प्रगतिशील दुग्ध उत्पादक सदस्यों से जानकारी लिया गया। श्री देवनारायण सिंह के द्वारा बतलाया गया कि श्री आनन्द माथुर द्वारा सार्थक पहल नहीं किया गया। श्री सिंह द्वारा बतलाया गया कि सीमा पंचायत में अभी लगभग 2000 लीटर दुग्ध उत्पादन हो रहा है। पशुपालकों द्वारा उत्पादित दिन का दुध बिक्री स्थानीय बाजार में हो रहा है, किन्तु शाम का दुध बिक्री नहीं हो पानें के कारण पशुपालकों को आर्थिक क्षती का सामना करना पड़ रहा है। सीमा ग्राम में जिला गव्य विकास कार्यालय के द्वारा गोकुल ग्राम विकास केन्द्र भवन का निर्माण कराया जा रहा है। भवन का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो गया है। गव्य विकास विभाग या जिला प्रशासन से 2000 लीटर क्षमता का बल्क कुलर गोकुल ग्राम विकास केन्द्र सीमा में स्थापित करनें का प्रस्ताव दिया गया। श्री सिंह द्वारा बतलाया गया कि बल्क कुलर स्थापित होनें के पश्चात् संचालन का कार्य सीमा दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति लिमिटेड जो निबंधित समिति हैं के द्वारा किया जाएगा। जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा आत्मा से प्रशिक्षण 20–30 इच्छुक किसानों को राज्य के बाहर करणाल (हरियाणा), आनन्द (गुजरात) में करनें का प्रस्ताव दिया गया। सदस्यों से विचार विमर्श के पश्चात् गोकुल ग्राम विकास केन्द्र सीमा में स्थापित करनें का सहमति उप विकास आयुक्त, महोदय द्वारा दिया गया। साथ ही साथ विगत बैठक की कार्यकवाही को संपुष्टि किया गया।

13/5/13

एजेन्डा सं0 –02

जिला गव्य विकास पदाधिकारी द्वारा बाएफ डेयरी विकास केन्द्रों के माध्यम से चलाये जा रहे गव्य विकास संबंधी कार्यक्रमों के बारे में बतलाया गया। तत्पश्चात अपर समाहर्त्ता तथा जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा केन्द्रवार कृत्रिम गर्भाधान, गर्भधारण जाँच, गर्भधारण, उत्पन्न संतति, बछिया पालन पोषण योजना तथा अनुदानित दर पर संतुलित पशु आहार बिक्री का केन्द्रवार समीक्षा किया गया। जिला प्रभारी बाएफ द्वारा बतलाया गया कि सभी केन्द्रों पर केन्द्र प्रभारी कार्यरत हैं। तथा विगत वित्तीय वर्ष 2011–12 की तुलना में 2012–13 सभी कार्यों 100% से 200% वृद्धि हुई है। जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा सभी केन्द्रों पर संतुलित पशु आहार की उपलब्धता नियमित रूप से बनाए रखनें का सुझाव दिया गया। जिसे उप विकास आयुक्त महोदय द्वारा सहमति दिया गया। साथ ही साथ किये कार्यों के प्रगति पर संतोष व्यक्त किया गया।

एजेन्डा सं0–03

चारा सुरक्षा कार्यक्रम अंतर्गत रवी, हरा चारा, बीज वितरण, खरीफ हरा चारा बीज प्राप्ति तथा अजोला प्रत्यक्षण एवं प्रदर्शन का समीक्षा के क्रम में जिला गव्य विकास पदाधिकारी द्वारा केन्द्रवार रवि हरा चारा बीज वितरण तथा फला-फल का जानकारी दिया गया। खरीफ हरा चारा बीज सभी बाएफ केन्द्रों पर कुल मक्का बीज 4490 किलोग्राम, सुडान 4566 किलोग्राम, काउपी 1498 किलोग्राम, ज्वार 2430 किलोग्राम तथा राईसबीन 400 किलोग्राम, बीज शतप्रतिशत् अनुदान पर इच्छुक किसानों के बीच बितरण हेतु उपलब्ध हो गया है। वर्षा प्रारंभ होते ही इच्छुक पशुपालकों के बीच वितरण किया जाएगा। उप विकास आयुक्त महोदय द्वारा गौशाला को बीज उपलब्ध करानें के बारे में जानकारी लिया गया। जिला प्रभारी बाएफ द्वारा बतलाया गया कि चतरा केन्द्र के माध्यम से गौशाला को आवश्यकतानुसार खरीफ हरा चारा बीज उपलब्ध करा दिया जाएगा। अजोला प्रत्यक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम अन्तर्गत कुल 37 पशुपालकों को सामग्रियां बेड निर्माण हेतु 1000 (एक हजार) रूपये मात्र राशि का भुगतान किया गया है। प्रदर्शन के द्वितीय चरण में कुल 20 पशुपालकों के बीच सामग्री का वितरण किया गया है। पशुपालक अजोला उत्पादन कर अपने पशु को खिला रहे हैं। उप विकास आयुक्त महोदय द्वारा किये गये कार्यों पर संतोष व्यक्त किया गया।

एजेन्डा सं0–04

काफ रैली का समीक्षा के क्रम में जिला गव्य विकास पदाधिकारी द्वारा बतलाया गया कि दिनांक 18.02.2013 को प्रचार'–प्रसार के लिये काफ रैली का आयोजन गिद्धौर में किया गया था। जिसमें कुल 103 किसानों द्वारा 108 बछिया का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि विभाग, पशुपालन विभाग तथा गव्य विकास का भी स्टॉल लगाकर योजनाओं का प्रचार–प्रसार किया गया। जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा सुझाव दिया गया कि बाएफ के द्वारा जब भी गाँव स्तर पर शिवीर का आयोजन किया जाता है उसकी सुचना पूर्व में जिला कृषि पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी तथा जिला गव्य विकास पदाधिकारी को दिया जाय। ताकि सम्बन्धित विभाग द्वारा भी अपने–अपने कार्यक्रमों की जानकारी प्रदर्शनी के माध्यम से पशु उत्पादकता वृद्धि

13/5/13

शिविर में किया जा सके। उप विकास आयुक्त महोदय द्वारा प्रस्ताव का सहमति प्रदान किया गया।

एजेन्डा सं0—05

जिला प्रभारी बाएफ द्वारा बतलाया गया कि वर्तमान में कुल 28 बाएफ डेयरी पशु विकास केन्द्र कार्यरत हैं। किन्तु पशुपालकों के द्वारा रूची नहीं लेनें के कारण (नगमा, सेरन दाग तथा कल्याणपुर) बाएफ डेयरी पशु विकास केन्द्रों का कार्य तथा प्रगति अपेक्षाकृत काफी कम है। फलस्वरूप तीनों केन्द्रो को स्थानंतरित कर द्वारी, कुन्दा तथा बेहरा स्थापित करनें का प्रस्ताव दिया गया। जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बतलाया गया कि केन्द्र स्थानान्तरित करनें से उक्त क्षेत्र के पशुपालकों का उपेक्षा होगी तथा पशुपालकों के बीच गलत संदेश जाएगा। साथ ही साथ सुझाव दिया गया कि पशु उत्पादकता शिविर जो बाएफ के द्वारा आयोजित किया जा रहा है, उसे कम कार्य करनें वालों केन्द्रों (नगमा, कल्याणपुर, सेरनदाग आदि) के कार्य क्षेत्र के गाँवों पर प्राथमिकता के आधार पर ज्यादा से ज्यादा किया जाय। तथा उक्त केन्द्र का स्थानान्तरण स्थगित रखा जाय एवं कुन्दा, द्वारी तथा बहेरा में प्राथमिकता के आधार पर वर्तमान वित्तीय वर्ष 2013—14 में नये डेयरी पशु विकास केन्द्रों को स्थापित किया जाय। उप विकास आयुक्त महोदय द्वारा जिला कृषि पदाधिकारी के प्रस्ताव को सहमति प्रदान किया ग या।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात् बैठक की कार्यवाही समाप्त किया गया।

13/5/2013
जिला गव्य विकास पदाधिकारी,
चतरा

13/5
उप विकास आयुक्त
—सह—
अध्यक्ष, चतरा।

ज्ञापांक 148 / चतरा,दिनांक 13 / 05 / 2013

प्रतिलिपि :— उपायुक्त, चतरा / उप विकास आयुक्त, चतरा / अपर समाहर्त्ता, चतरा / निदेशक, गव्य विकास निदेशालय, झारखण्ड राँची / क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक, क्षेत्रीय गव्य विकास कार्यालय, धुर्वा, राँची / जिला कृषि पदाधिकारी, चतरा / जिला पशुपालन पदाधिकारी, चतरा / जिला गव्य विकास पदाधिकारी, चतरा / जोनल पदाधिकारी बाएफ, हजारीबाग / जिला प्रभारी बाएफ, चतरा एवं सभी सम्बन्धित प्रगतिशील दुग्ध उत्पादक प्रतिनिधियों को सूचनार्थ कृपया प्रेषित।

13/5/2013
जिला गव्य विकास पदाधिकारी,
चतरा।

ज्ञापांक 148 / चतरा,दिनांक 13 / 05 / 2013

प्रतिलिपि :— एन0आई0सी0 चतरा को उपायुक्त चतरा का पत्रांक 1129 गो0 दिनांक 03.09.2012 के अनुपालन में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु कृपया प्रेषित।

13/5/2013
जिला गव्य विकास पदाधिकारी,
चतरा।